दिनांक 16/06/2022

प्रकाशनार्थ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

आजादी का अमृत महोत्सव

गोरखपुर। मानवता के लिए योग विषय पर विशिष्ट व्याख्यानमाला द्वितीय दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संरक्षक यशस्वी कुलपति माननीय प्रो. राजेश सिंह, कार्यक्रम के तृतीय दिवस के अवसर विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर उमा रानी त्रिपाठी पूर्व अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी उपस्थित थी।

स्वागत वक्तव्य एवं विषय प्रवर्तन अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग ,प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी ने किया, कार्यक्रम में जुड़े सभी शिक्षकों एवं छात्र छात्राओं का स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर उमारानी त्रिपाठी पूर्व अधिष्ठाता एवं विभागाध्यक्ष संस्कृत विभाग महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी ने अपने विशिष्ट व्याख्यान में कहा कि योग भारतीय चिंतन की अद्वितीय धरोहर है। योग का महत्व प्राचीन काल से रहा है। उन्होंने कहा कि अतरूकरण और बुद्धि का संयोग ही योग है जीवात्मा और परमात्मा का संयोग ही योग है। उन्होंने बताया कि मनुष्य एक स्थल पर बैठकर संपूर्ण ब्रह्मांड को नियंत्रित कर सकता है। उन्होंने कहा कि चितवृति का निरोध ही योग है। उन्होंने अपने व्याख्यान में संम्प्रज्ञात और और संम्प्रज्ञात समाधि पर विस्तृत प्रकाश डाला। उन्होंने अपने व्याख्यान में अष्टांग योग यम नियम आसन प्राणायाम धारणा ध्यान समाधि का विवेचन किया। जीवात्मा एवं परमात्मा का एकत्व ही योग है। इस कार्यक्रम में डॉ रमेश चंद, डॉ संजय कुमार तिवारी, डॉ अर्चना कुमारी ,लक्ष्मी मिश्रा ,डॉ,रंजन लता डॉ कुलदीप शुक्ल डॉ अमित यादव डॉ प्रवीण गुप्ता डॉ आशुतोष त्रिपाठी डॉ सूर्यकांत त्रिपाठी एवं विभिन्न छात्र–छात्राऐं उपस्थिति हुए । कार्यक्रम का संचालन डॉ संजय कुमार राम एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ रमेश चंद ने किया।

Media and Public Relations Officer
Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur
University, Gorakhpur